आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :376 पृष्ठ -5 दिनांक 19 जनवरी 2025 दिन रविवार

उत्तर प्रदेश में मिली एक और पाकिस्तानी सीमा हैदर, स्कूल में बन गई टीचर

पाकिस्तानी महिला की असलियत की जानकारी उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश के बड़े अफसरों तथा उत्तर प्रदेश पुलिस को नहीं हो पाई

पाकिस्तान से उत्तर प्रदेश में आकर रह रही सीमा हैदर को सब जानते हैं। अब उत्तर प्रदेश के ही एक शहर में दूसरी सीमा हैदर मिल गई है। दूसरी सीमा हैदर से हमारा मतलब है कि उत्तर प्रदेश में मिली एक पाकिस्तानी महिला भी सीमा हैदर की तरह से ही पाकिस्तान से उत्तर प्रदेश में आई है। उत्तर प्रदेश में आकर यह पाकिस्तान की महिला बाकायदा एक सरकारी स्कूल में टीचर बन गई। पाकिस्तानी महिला उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग की नाक के नीचे 9 साल से टीचर की नौकरी कर रही है। 9 साल में इस पाकिस्तानी महिला की असलियत की जानकारी उत्तर प्रदेश सरकार, उत्तर प्रदेश के बड़े अफसरों तथा उत्तर प्रदेश पुलिस को नहीं हो पा. ई।सीमा हैदर की तरह पाकिस्तान की महिला का यह मामला उत्तर प्रदेश के बरेली जिले का है। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एक स्कूल में पाकिस्तान से आई हुई पाकिस्तानी महिला बाकायदा

टीचर की नौकरी कर रही है। यह पूरा मामला उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में माधोपुर प्राथमिक विद्यालय में सामने आया है। बताया जा रहा है स्कूल में तैनात सहायक अध्यापक शुमायला खान पर यह आरोप है कि इन्होंने गलत दस्तावेज लगाकर अध्यापक पद हासिल कर लिया जबकि वह पाकिस्तान की नागरिक हैं। आरोप है कि इन्होंने तथ्यों को छुपा कर फर्जी दस्तावेज लगाकर सरकारी नौकरी हासिल कर ली थी। पाकिस्तान की इस दूसरी महिला ने जो प्रमाण पत्र नौकरी के लिए लगाया गया था वह उत्तर प्रदेश के रामपुर के ैक्ड सदर कार्यालय की ओर से जारी किया गया हैआपको बता दें कि साल 2015 में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से प्राथमिक विद्यालय माधौपुर में महिला को अप्वाइंट किया गया था। हाल ही में एक शिकायत पर जांच की गई तो पता चला जो प्रमाण पत्र लगाया गया था वह फर्जी है। फिर इस पूरे मामले की गहनता से जांच हुई। रिपोर्ट सामने आने के बाद टीचर को निलंबित कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के बरेली में तैनात बेसिक शिक्षा अधिकारी के आदेश पर थाना फतेहगंज पश्चिमी पर मुकदमा दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने FIR दर्ज करके आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।यह मामला सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। यह पहला मामला है कि जब उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में पाकिस्तानी नागरिक को सरकारी नौकरी हासिल हो गई। बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि नौकरी देते समय कागजात की गहनता से जांच क्यों नहीं की गई? इतने वर्ष बाद जब डॉक्यूमेंट की जांच की गई तो हकीकत सामने आई है। यह पूरा मामला उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में चर्चा का विषय गन गया है

नारी सशक्तिकरण का भी .साक्षी बनेगा महाकुंभ

प्रयागराज महाकुंभ नारी सशक्तीकरण को लेकर भी नया इतिहास लिखने जा रहा है. महाकुंभ में मातृ शक्ति ने अखाड़ों से जुड़ने में गहरी रुचि दिखाई है. इसके परिणाम स्वरूप प्रयागराज महाकुंभ सबसे अधिक महिला संन्यासियों की दीक्षा का इतिहास लिखने जा रहा है. संयासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की महिला संत दिव्या गिरी बताती हैं कि इस बार महाकुंभ में अकेले श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतर्गत 200 से अधिक मि. हलाओं की संन्यास दीक्षा होगी. सभी अखाड़ों को अगर शामिल कर लिया जाय तो यह संख्या 1000 का आंकड़ा पार कर जाएगी. संन्यासी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े में इसे लेकर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है. आगामी 27 जनवरी को संन्यास दीक्षा का अनुष्ठान संभावित है. सनातन धर्म में वैराग्य या संन्यास के कई कारण बताए गए हैं, जिनकी वजह से गृहस्थ या आम इंसान वैराग्य में प्रवेश करता है. परिवार में कोई दुर्घटना, या आकस्मिक सांसारि. कता से मोह भंग या फिर अध्यात्म अनुभूति इसके कारण हो सकते हैं. महिला संत दिव्या गिरी बताती हैं कि इस बार जो महिलाएं दीक्षा संस्कार ले रही हैं उसमें उच्च शिक्षा प्राप्त नारियों की संख्या अधिक है जो आध्यात्मिक अनुभूति के लिए संस्कार दीक्षित हो संन्यासी बनेंगी.गुजरात के राजकोट से आई राधेनंद भारती इस महाकुंभ में संस्कार की दीक्षा लेंगी. राधेनंद इस समय गुजरात की कालिदास रामटेक यूनिवर्सिटी से संस्कृत में पीएचडी कर रही हैं. राधे नंद भारती बताती हैं कि उनके पिता बिजनेस मैन थे. घर में सब कुछ था लेकिन आध्यात्मिक अनुभूति के लिए उन्होंने घर छोड़कर संन्यास लेने का फैसला किया. पिछले बारह साल से वह गुरु की सेवा में हैं. अखाड़े में नारी शक्ति को पहचान दिलाने में श्री पंच. दशनाम जूना अखाड़ा आगे है. महाकुंभ के पहले जूना अखाड़े की संतो के संगठन माई बाड़ा को नया सम्मानित नाम दिया गया संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना. आधी आबादी के इस प्रस्ताव पर अब मुहर लगा दी गई है. महिला संत दिव्या गिरी बताती हैं कि महिला संतों ने संरक्षक महंत हरि गिरि से इसकी मांग की गई थी.उन्होंने महिला संतों से ही नए नाम का प्रस्ताव देने के लिए कहा था. महंत हरि गिरि ने इसे स्वीकार कर लिया है. इस बार मेला क्षेत्र में इनका शिविर दशनाम संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के नाम से ही लगाया गया है.

बदलेगी पूर्वांचल की तस्वीर, नीति आयोग के सुझाव पर योगी सरकार ने की तैयारी

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार वाराणसी और प्रयागराज को मिलाकर नया आर्थिक क्षेत्र बनाने की तैयारी कर रही है. नीति आयोग की सलाह के बाद ये इस पर काम शुरू हो गया है. माना जा रहा है कि इससे पूर्वांचल कीतस्वीर चमकने लगेगी और इन दोनों क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन के साथ कला और संस्कृति को भी बढ़ावा मिलेगा. यही नहीं इस जोन को अत्याधुनिक तकनीक के आधार पर विक. सित किया जाएगा, जिससे यहां के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढेंगी. नीति आयोग ने सलाह दी है यूपी को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए नए आर्थिक क्षेत्र का विकास करना होगा. इसी के तहत वाराणसी और प्रयागराज को मिलाकर नया आर्थिक क्षेत्र बनाने का सुझाव दिया गया है. नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने इस संबंध में यूपी सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के सामने इसकी रूपरेखा प्रस्तुत की. जिसमें इस क्षेत्र को धार्मिक, कला और संस्कृति के साथ मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक का हब बनाने का प्रस्ताव दिया गया और यहां बागवानी और डेयरी उद्योग को भी बढ़ावा देने की बात की. नया आर्थिक जोन बनाने से बदलेगी तस्वीर प्रयागराज और वाराणसी दोनों ही धर्मनगरी है. यहां भारी संख्या में धार्मिक पर्यटन होता है, ऐसे में इस क्षेत्र का विकास ऐसा हो कि यहां आने वाले श्रद्धालु तीन–चार दिन ठहरें. नीति आयोग के मुताबिक इस क्षेत्र का विकास होने से पांच साल के भीतर यहां की अर्थव्यवस्था में तेजी से बढ़ोतरी होगी. योजना के तहत इस आर्थिक क्षेत्र में सात जिलों के 22,393 वर्ग किमी क्षेत्र को शामिल किया जाएगा. ये सात जिले हैं वाराणसी, प्रयागराज, चंदौली, जौनपुर, मिर्जापुर, गाजीपुर और भदोही. नीति आयोग के मुताबिक वर्तमान समय में इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था 2300 करोड़ डॉलर है. लेकिन आर्थिक क्षेत्र विकसित होने के बाद अगले पाँच साल में इसके पांच से छह करोड़ डॉलर तक पहुंचने की संभावना है. इसके लिए नया प्राधिकरण बनाया जाएगा. जिससे इस क्षेत्र में आि. र्थक गतिविधियां तेज होंदी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे. आयोग ने यहां के लिए 21 नए प्रोजेक्ट का भी सुझाव दिया है, जिन पर आगे काम किया जा सकता है.

शॉर्ट सर्किट से रोडवेज बस में लगी भीषण आग, चालक और खलासी ने कूदकर बचाई जान

फतेहपुररू खागा तहसील क्षेत्र के कोट से कानपुर की ओर जा रही एक रोडवेज बस में शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया और बस जलकर खाक हो गई। गनीमत यह रही कि घने कोहरे की वजह से बस में सवारियां नहीं थीं, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।श. निवार सुबह खखरेरू थाना क्षेत्र के कोट बस स्टॉप से कानपुर की ओर जा रही रोडवेज बस रोशनपुर गांव के पास अचानक बंद हो गई। इसी दौरान बस में शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई।कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। बस को जलता देख चालक और खलासी ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। इसके बाद चालक ने फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी।

यूपी पुलिस को चकमा देकर गुड्डू मुस्लिम फरार, सैयद वसीउद्दीन बनकर भागा दुबई, मचा हड़कंप

प्रयागराज में तकरीबन दो साल पहले हुए उमेश पाल और दो सरकारी गनर के शूटआउट मामले में सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों ने बड़ा दावा किया है. शूटआउट में शामिल पांच लाख रुपये का इनामी बमबाज गुड्डू मुस्लिम देश से भागकर दुबई पहुंच गया है. गुड्डू मुस्लिम माफिया अतीक गिरोह का सक्रिय सदस्य है. सूत्रों के मुताबिक गुड्डू मुस्लिम नाम बदलकर पिछले साल 6 दिसंबर को दुबई के लिए रवाना हुआ. सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक 6 दिसंबर को कोलकाता एयरपोर्ट से दुबई जाने वाली एतिहाद एयरलाइंस की फ्लाइट से गुड्डू मुस्लिम रवाना हुआ था. शक है कि उसने सैयद वसीम उद्दीन के नाम से फर्जी पासपोर्ट इस्तेमाल किया. उसके विजिटर वीजा के जरिए दुबई भागने की जानकारी मिली है. गुड्डू मुस्लिम के दुबई भागने में अतीक गैंग से जुड़े हुए लोगों के मदद करने की आशंका जताई गई है, गुड्डू मुस्लिम के दुबई भागने का दावा सूत्रों के मुताबिक गुड्डू मुस्लिम के दुबई भागने की जानक. ारी केंद्रीय खुफिया एजेंसी की जांच में सामने आई है. एजेंसी ने यह जानकारी यूपी पुलिस के साथ साझा की है. गुड्डू मुस्लिम के विदेश भागने की खबर सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है. पुलिस की ओर से गुड्डू मुस्लिम के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया था. देश के तकरीबन एक दर्जन से ज्यादा राज्यों में उसकी तलाश में छापेमारी भी की गई थी. प्रयागराज पुलिस पहले ही गुड्डू मुस्लिम के घर की कुर्की कर चुकी है. गुड्डू मुस्लिम शातिर बमबाज है. उमेश पाल शूटआउट के सीसीटीवी फुटेज में वह लगातार बम चलाता हुआ नजर आ रहा था. बता दें कि 24 फरवरी 2023 को प्रयागराज के धूमनगंज इलाके उमेश पाल और दो सरकारी गनरों की सरेआम हत्या कर दी गई थी. अतीक अहमद सक्रिय सदस्य है गुड्डू मुस्लिमउमेशपाल शूटआउट में माफिया अतीक अहमद के बेटे असद के साथ ही गुड्डू मुस्लिम भी शामिल था. घटना के बाद से ही आरोपी फरार हो गया था. कई महीने तक गिरफ्तारी नहीं होने के बाद गुड्डू मुस्लिम पर इनाम की रकम बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी गई थी. शूटआउट केस में माफिया अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन, बहन आयशा नूरी और अतीक के छोटे भाई अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा भी लगातार फरार हैं. माफिया के परिवार की तीनों महिलाओं पर भी इनाम घोषित है. इस चर्चित शूटआउट केस में गुड्डू मुस्लिम के साथ ही अरमान बिहारी और साबिर भी फरार है. इन दोनों पर भी पांच–पांच लाख रुपए का इनाम घोषित है. शूटआउट की साजिश रचने के आरोपी माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को तीन हमलावरों ने 15 अप्रैल 2023 को न्यायिक हिरासत में मौत के घाट उतार दिया था.

बेटी की शादी कराने के लिए बाप बन गया बदमाश, व्यापारी से मांगी 50 लाख की फिरौती और कार

उत्तर प्रदेश के शामली जिले में आबिद नाम के एक व्यापारी से शातिर बदमाशों ने 50 लाख रुपये और फॉर्च्यूनर कार मांग था, उनकी डिमांड पूरी ना करने पर जान से मारने की धमकी दी थी. इसके बाद पीड़ित व्यापारी ने कांधला पुलिस थाने शिकायत दर्ज कराई थी.इस मामले की गहन जांच के बाद कांधला पुलिस ने व्यापारी आबिद को धमकी देने और फिरौती मांगने वाले तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार और घटना में इस्तेमाल कार भी बरामद की है. फिलहाल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बदमाशों को जेल भेज दिया.क्या है मामला?बता दें, शामली जनपद के कांधला थाना कस्बा निवासी आबिदा सैफी की छोटी नहर पर हार्डवेयर की दुकान है. व्यापारी से लगभग 10 दिन पहले फोन पर बदमाशों ने 50 लाख रुपये और फॉर्च्यूनर गाड़ी की मांगी थी. बदमाशों ने पैसे और गाड़ी न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी. इस घटना के बाद पीड़ित व्यापारी और उसका परिवार दहशत में आ गया.पीड़ित व्यापारी ने थाने पर तहरीर देकर बदमाशों से सुरक्षा की गुहार लगाई थी. पुलिस मामला दर्ज कर लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी. शामली एसपी रामसेवक गौतम के निर्देश पर एसओजी, सर्विलास टीम और कांधला थाना प्रभारी निरीक्षक क्षितिज कुमार सिंह की टीम ने जांच के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने तीन बदमाशों को दबोचा पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए कांधला निवासी युसूफ, जहूर और मेरठ के लिसाड़ी गेट निवासी बदमाश जुबेद को गिरफ्तार किया है. पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके साथी जहूर की दो बेटियों की शादी अगले 19 जनवरी को होनी है और ऐसे में उसे पै. सों की जरूरत थी. इसी कारण बदमाशों ने व्यापारी से पानीपत निवासी बदमाश सुरेंद्र और कल के नाम से फिरौती की मांग की थी. पकड़े गए बदमाशों का एक साथी सिकंदर निवासी लोनी फरार हो गया, जिसकी पुलिस टीम तलाश कर रही है. पुलिस ने फिलहाल तीनों बदमाशों को जेल भेज दिया है.

बेटी से दुष्कर्म में पिता को दस वर्ष की कैद, बच्चियों से छेड़खानी के दोषी को सात साल की सजा

अलीगढ़ के खैर क्षेत्र में खुद की मासूम बेटी संग दुष्कर्म के मुकदमे में अदालत ने पिता को दोषी करार देकर दस वर्ष कैद की सजा सुनाई है। साथ में पचास हजार रुपये अर्थदंड भी नियत किया है। यह फैसला एडीजे पाक्सो द्वितीय प्रदीप कुमार राम की अदालत से सुनाया गया है।अभियोजन पक्ष के अनुसार मुकदमा 23 मार्च 2019 को खैर में दर्ज कराया गया। महिला द्वारा कहा गया कि वह अपने मायके में थी। जहां उसका पति आया और साढ़े तीन वर्ष की बेटी को जंगल घुमाने के बहाने बुलाकर ले गया। जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। जब वह लौटकर आया तो उसकी बेटी बेहोश थी। कपड़े सने हुए थे। उसके कुछ देर बाद ही पति लापता हो गया। इस मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच की।मामले में मेडिकल परीक्षण, बयान आदि की प्रक्रिया हुई। मुकदमे में मां के अलावा बच्ची व उसकी ताई को गवाह बनाया गया। चार्जशीट पर जब न्यायालय में सत्र परीक्षण शुरू हुआ। इस दौरान तीनों गवाह गवाही से मुकर गए। उन्हें न्यायालय ने पक्षद्रोही घोषित कर दिया। मगर अभियोजन पक्ष द्वारा रखी गई मेडिकल रिपोर्ट व मेडिकल करने वाली चिकित्सक के बयानों पर दुष्कर्म होना मानते हुए पिता को दोषी करार दिया है। साथ में तय किया है कि अर्थदंड की राशि नियम के अनुसार पीड़ित को मिली सहायता राशि में समायोजित की जाए। बच्चियों से छेड़खानी के दोषी को सुनाई सजाअलीगढ़ के लोधा क्षेत्र में दो वर्ष पहले पड़ोस की बच्चियों से छेड़खानी के दोषी को सात वर्ष कैद की सजा सुनाई है। यह फैसला एडीजे पाक्सो तृतीय वीरेंद्रनाथ पांडेय की अदालत ने सुनाया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार लोधा में 25 अक्तूबर 2022 को मुकदमा दर्ज कराया गया। जिसमें कहा गया कि उनका पड़ोसी उनकी बच्चियों को

खिलाने पिलाने के बहाने बुलाता है और उनके साथ गंदी हरकत करता है। जिसमें बच्चियों की उम्र क्रमशरू तीन, चार, पांच व आठ वर्ष है। मामले में मुकदमे के आधार पर पुलिस ने चा. र्जशीट दायर की। न्यायालय में सत्र परीक्षण के दौरान साक्ष्यों व गवाही के आधार पर इसे छेड़खानी का दोषी करार देकर सात वर्ष कैद व पंद्रह हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। मान. सिकदिव्यांग से दुष्कर्म में जमानत खारिएडीजे विशेष पाक्सो सुरेंद्र मोहन सहाय की अदालत से मानसिक दिव्यांग किशोरी से दुष्कर्म के दोषी की जमानत खारिज की गई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार गभाना के गांव हीसैल के सचिन पर पड़ोस की किशोरी संग उस समय दुष्कर्म का आरोप लगा, जब वह अकेली थी। परिजन काम से गए हुए थे। मामले में मुकदमे के आधार पर आरोपी को जेल भेजा गया, जिसकी जमानत खारिज की गई है।

430 बसों का बेड़ा तैयार, 20 जनवरी को अलीगढ़ से . एक साथ होंगी रवाना

महाकुंभ–2025 में जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए परिवहन निगम ने विशेष बस सेवा संचालित करने की घोषणा की है। इस क्रम में अलीगढ़ परिक्षेत्र की 430 रोडवेज बसों का बेड़ा कुंभ जाने के लिए तैयार है। इन बसों को दूसरे चरण में 20 जनवरी को एक साथ रवाना किया जाएगा।रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र वर्मा ने बताया कि सभी बसों व स्टाफ की रवानगी की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अफसरों की ड्यूटी भी निर्धारित कर दी गई है। बसों को रंगने के साथ ही उनकी साफ–सफाई के बाद उन्हें सजाया–संवारा जा रहा है। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए बसों की संख्या कम या ज्यादा की जा सकती है। बड़ी संख्या में बसों के कुंभ मेले में जाने से स्थानीय रूटों पर बसों के फेरे बढ़ाने के साथ ही वर्कशॉप में खड़ी अतिरिक्त बसों को लोकल रूटों पर संचालित किया जाएगा, ताकि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न होने पाए।गांव से भी मिलेगी रोडवेज बस क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र वर्मा ने बताया कि किसी गांव से अगर कम से कम 35 या उससे अधिक लोग महाकुंभ में जाना चाहते हैं तो रोडवेज बस गांव में ही आकर उन्हें प्रयागराज तक लेकर व वापस लेकर आएगी।

प्रधानमंत्री जी द्वारा देशभर में 50 हजार ग्रामों के 65 लाख से अधिक घरौनियों का किया गया डिजिटली वितरण

अलीगढ़ मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शनिवार को देशभर के 50 हजार से अधिक ग्रामों के 65 लाख से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड (घरौनियों) का वर्चुअली माध्यम से डिजिटली वितरण किया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कल्याण सिंह हैबीटेट सेंटर में किया गया। इस अवसर पर मा0 प्रधानमंत्री जी ने विभिन्न प्रदेशों के लाभार्थियों से वर्चुअल माध्यम से सीधा संवाद कर स्वा. मित्व योजना के माध्यम से उनके जीवन में आए बदलाव और योजना के फीडबैक पर चर्चा की।कल्याण सिंह हैबीटेट सेंटर में कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ प्रदेश के मा0 बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संदीप सिंह, मा0 एमएलसी डॉ0 तारिक मंसूर, मा0 जिलाध्यक्ष श्री कृ ष्णपाल सिंह, मा0 महानगर अध्यक्ष इंजी0 राजीव शर्मा, जिला महामंत्री श्री शिव नारायण शर्मा, पूर्व महापौर श्रीमती शकुन्तला भारती द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर नन्ही बालिका साक्षी शर्मा द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की मन. मोहक प्रस्तुति दी गई।मा0 प्रधानमंत्री जी ने घरौनी वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज की दिन ग्रामों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहा. सिक दिन है। इस कार्यक्रम से देशभर के विभिन्न राज्यों के करोड़ों लाभार्थी, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि जुड़े हुए हैं। इस विराट कार्यक्रम के माध्यम से गॉवों में रहने वाले लोगों को अपने घर का कानूनी हक दिया गया है, जिसे स्थानीय भाषाओं में कहीं घरौनी, कहीं मालम पट्टा, प्रॉपर्टी कार्ड या आवासीय पट्टा कहा जाता है लेकिन सभी का उद्देश्य आपके घर का अभिलेखीय प्रमाण पत्र आपको देना है। देश में अब तक लगभग 2.25 करोड़ परिवारों को उनके घरों का कानूनी हक दिया जा चुका है। मा0 प्रधानमंत्री जी ने यूएनओ के एक सर्वे का हवाला देते हुए बताया कि भारत में स्वामित्व योजना लागू होने से पूर्व ग्रामों में लोगों के पास उनके घरों का कोई मालिकाना दस्तावेज ही नहीं था और बिना कानूनी दस्तावेज के बैंक भी इनसे दूरी बनाकर रखते थे आज प्रॉपर्टी कार्ड से देश भर में 100 लाख करोड़ की आर्थिक गतिविधि का रास्ता खुल गया

है। प्रॉपर्टी राइट्स मिलने से ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर बनेंगी। लोगों को विभिन्न आपदाओं के समय हुए नुकसान का दावा मिलने में आसानी होगी।मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों को उनका स्वामित्व प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि स्वामित्व योजना का सबसे अधिक लाभ उत्तर प्रदेश के निवासियों को ही मिला है। देश में जहां अब तक लगभग 2.25 करोड़ परिवार लाभान्वित हुए हैं वहीं अकेले उत्तर प्रदेश में लगभग 80 हजार ग्रामों में 01 करोड़ से अधिक परिवारों को उनके घरों का मालिकाना हक प्रदान किया गया है। उन्होंने बताया कि आज 37 हजार 852 ग्रामों में 45 लाख 35 हजार 680 लोगों को स्वामित्व योजना से लाभान्वित किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी भी प्रदेश में लगभग 25 हजार ग्राम शेष हैं जिन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाना है। अब तक जो नाली, रास्ता, और एक–एक फीट जगह के लिए विवाद हो जाते थे और कभी–कभी जघन्य अपराध का रूप ले लेते थे अब उन पर अंकुश लग सकेगा। उन्होंने बताया कि योजना की पारदर्शिता के लिए ग्राम पंचायतों की खुली बैठक आयोजित कर चूना डालकर और ड्रोन सर्वे के माध्यम से इन घरौनियों का डिजिटलीकरण किया गया है।मा0 बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संदीप सिंह ने कहा कि इस योजना का सबसे अधिक लाभ हमारे ग्रामों में रह रहे लोगों को मिला है। जो परिवार वर्षों से अपने पुस्तैनी मकानों में रह रहे थे परन्तु उनके पास अपने घर का कोई अभिलेख नहीं था उनको अपने घर का मालिकाना हक दिलाने के लिए मा0 प्रधानमंत्री द्वारा वर्ष 2020 में आरम्भ की गई। इससे पूर्व किसी सरकार द्वारा इस बारे में नहीं सोचा गया, यह हमारे प्रधानमंत्री जी की ही दूरगामी सोच थी कि विगत 05 वर्षों में ही देशभर के करोड़ों परिवारों को उनके घरों का मा. लिकाना हक प्राप्त हुआ। आज प्रॉपर्टी कार्ड आर्थिक सुरक्षा की गारंटी बन गए हैं, यह आत्मनिर्भरता की ओर महत्वपूर्ण कदम है।पीडी डीआरडीए भाल चन्द त्रिपाठी ने बताया कि जिले के 1241 राजस्व ग्राम एवं 1153 आबादी ग्रामों में से 753 ग्रामों में घरौनी वितरण का कार्य पूर्ण हो गया है। आज 25184 लाभार्थियों को घरौनियों का लाभ दिया गया है जिससे अब तक जिले में 01 लाख 42 हजार 545 लोगों को घरौनियों का वितरण पूरा हो गया है। कार्यक्रम जिले भर से आए 600 से अधिक लोगों को घरौनियों का वितरण किया गया। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी और अन्य अतिथियों द्वारा प्रतीक स्वरूप तहसील कोल के 15 लाभार्थियों– गनेशी लाल, नौबत, निरंजन, जितेन्द्र, सतीश, दीनानाथ, भूपेन्द्र, मदनलाल, जयप्रकाश, किशनलाल, पीतम्बर, महादेवी, विजय कुमार वर्मा, ठाकुर दास एवं महेन्द्र सिंह को घरौनियों के प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।कार्यक्रम में सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एडीएम प्रशासन पंकज कुमार, एडीएम वित्त मीनू राणा, डिप्टी कलैक्टर पवन यादव, एडीएम कोल दिग्विजय सिंह, डीपीआरओ मो0 राशिद, एडीआईओ मनोरमा सिंह, ईडीएम मनोज राजपूत, ज्ञान मिश्रा समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

प्रशासनिक न्यायमूर्ति ने अतरौली स्थित न्यायालय सिविल .जज (सीनियर डिविजन एवं जूनियर डिविजर) का औचक .निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अलीगढ़ मा0 प्रशासनिक न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय इलाहाबाद, अलीगढ़ मण्डल अलीगढ़ श्री अजीत कुमार द्वारा दीवानी न्यायालय सभागार में जिला न्यायालय की त्रैमासिक पत्रिका न्याय सेतु का विमोचन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह पत्रिका न्याय के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। पत्रिका में जिले में न्यायाधीशों द्वारा किए गए ऐतिहासिक निर्णयों और उनके अनुभवों को साझा किया गया है, जिसका लाभ आमजन के साथ ही जिले में आने वाले न्यायाधीशों को भी मिलेगा। न्यायपालिका के क्षेत्र में न्यायालय एक मंदिर, न्यायाधीश भगवान और अधिवक्तागण पुजारी के समान हैं जिनके समक्ष फरियादी एक प्रार्थी के रूप में अपनी समस्याओं के निवारण के लिए आते हैं। प्रत्येक अधिवक्ता और न्यायाधीश का यह नैतिक दायित्व है कि वह अपने समक्ष आने वाले प्रत्येक पीड़ित एवं फरियादी को बिना किसी भेदभाव, लोभ या लालच के न्याय दिलाए। उन्होंने कहा कि न्याय के क्षेत्र में यह पत्रिका अभी एक बीज के समान है, जब इसे निरंतर संचालित किया जाएगा तो

यह वट वृक्ष का रूप लेगी और इसके माध्यम से न्यायपालिका के ऐतिहासिक कार्य आमजन के मध्य परिलक्षित होंगे।मा0 न्यायाधीश ने पत्रिका में लिखे गये महिलाओं की सुरक्षा व स्वतंत्रता, बच्चों के अधिकार एवं अन्य लेखों की प्रशंसा करते हुए कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा निजी नहीं बल्कि सामा. जिक जिम्मेदारी है जिसे हम सभी को निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका के कार्य उनके अधीनस्थ कार्मिकों के सहयोग से ही संपादित होते हैं, जोकि प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देते। इसलिए इनके कार्यों को भी सम्मा. नित दृष्टि से देखा जाना चाहिए।मा0 प्रशासनिक न्यायमूर्ति श्री अजीत कुमार द्वारा इसके उपरांत बाह्य स्थित न्यायालय सिविल जज (सीनियर डिविजन एवं जूनियर डिविजर) का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने न्यायालय भवन, पत्रावलियों का रखरखाव एवं लंबित प्रकरणों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इस अवसर पर जिला जज संजीव कुमार, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय रणधीर सिंह, मुख्य न्यायिक अधिकारी शिवम कुमार, पीओ वाणिज्य न्यायालय विवेक त्रिपाठी, पी. ठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण जय सिंह पुण्ढ़ीर, अपर जिला जज सुभाष चन्द्रा, ऋषि कुमार, प्रो0 अस्मत अली खॉ समेत अन्य न्यायिक अधिकारीगण व अधिवक्तागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अपर जिला जज राघवेन्द्र मणि द्वारा किया गया।

अपर सत्र न्यायाधीश पारूल अत्री ने 11 वर्ष पुराने प्रकरण में अभियुक्त को अर्थदण्ड एवं फांसी की सुनाई सजा

अलीगढ़ रू अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या 02 पारूल अत्री द्वारा लगभग 11 वर्ष पुराने प्रकरण में दोषी के विरूद्ध ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए उसे अर्थदण्ड एवं फांसी की सजा सुनाई गई।विदित रहे कि 12 जुलाई 2014 में थाना बन्नादेवी क्षेत्र में अभियुक्त मनोज कुमार सिंह द्वारा अपनी पत्नी, बेटे एवं बेटी और एक अन्य महिला पडौसी पर गोली चलाई जिसमें उसकी पत्नी, बेटे और पड़ौसी महिला की मृत्यू हो गई। विगत लगभग 11 वर्षों में सुनवाई के दौरान साक्ष्यों, गवाहों एवं अभिलेखों की रोशनी में अभियुक्त को दोषी पाया गया।अपर सत्र न्यायाधीश ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि इस प्रकार का जघन्य अपराध क्षमा योग्य नहीं है जब परिवार का रक्षक ही भक्षक बन जाए तो उसे दण्ड देना ही उचित है। यदि न्यायालय इस प्रकार की पाशविक, नृशंस व बर्बर अपराध में भी उदारता

अपनाता है, तो यह समाज व मानवता के साथ अन्याय होगा। अभियुक्त का अपराध विधि के साथ–साथ मानवता को भी शर्मसार करने वाला है, जो कि सामा. जिक ढांचे को नष्ट करने की श्रेणी का अपराध है। अभियुक्त द्वारा किया गया अपराध व कृत्य विरल से विरलतम की श्रेणी में है और अभियुक्त कठोरतम दण्ड का अधिकारी है। हस्तगत प्रकरण में मृत्यु दण्ड के अतिरिक्त ऐसा अन्य कोई विकल्प अथवा दण्ड नहीं है जिससे कि न्याय की मंशा पूर्ण हो सके। अभियुक्त को मृत्यु दण्ड देने पर ही घटना की पीड़ित पुत्री, मृतकगण व समाज को न्याय दिया जाना संभव है, जिससे कि समाज स्वयं को इस प्रकृति के दानव व नरपिशाच से बचा सके एवं न्याय की मंशा पूर्ण हो सके। इस अवसर पर सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फा. ैजदारी कोर्ट संख्या 02 मेपे सिंह समेत

पुलिस अधीक्षक ने जनवरी माह में प्रत्येक थाने को 100-100 डिजिटल वॉरियर

जनपद में कुल 1000 डिजिटल वॉरियर बनाने का लक्ष्य दिया

हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन में साइबर अपराध से बचाव हेतु जागरूक करनें के लिये थाना हाथरस गेट क्षेत्र के बीएलएस इंटरनेशनल स्कूल मे ष्साइबर क्राइमष् कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस दौरान प्रभारी थाना साइबर क्राइम केशव दत्त शर्मा द्वारा स्कूल में मौजूद छात्र छात्राओ व स्कूल स्टाफ को साइबर अपराधो के सम्बन्ध मे जागरुक किया गया तथा इंटरनेट के जरिये पैसे के लेनदेन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बैंक एकाउंटध्एटीएम के सम्बन्ध में टैलीफोन पर जानकारी मांगे जाने पर कभी भी साझा न करे । कार्यशाला में साइबर क्राइम से होने वाली समस्याएं जैसे– गेम से बच्चों का मानसिक व आर्थिक नुकसान, फेक आ. ईडी बनाकर स्कैम करना, लोगों के व्हाट्सएप, फोटो, कैमरा, इंस्टाग्राम, गूगल अकाउंट आदि हैक करना, लोन के नाम पर ठगी करना,डिजिटल एरेस्ट आदि से बचने के उपाय जैसे माता–पिता का बच्चों से फोन की दूरी बनाना, उनकी डिजिटल डाइट तय करना, ऑनलाइन शॉपिंग ना करना, पा. सवर्ड बदलते रहना, वायरस टोटल ऐप डाउनलोड करना, अपने फोन के प्रत्येक ऐप की सेटिंग में सिक्योरिटी से टू स्टेप ऑन करके रखना आदि साइबर क्राइम से बचने के तरीके बताए गए । कार्यशाला में बताया गया कि डब्ल्यू एच ओ ने गेम खेलना मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बताया है । इंटरनेट आपको हीरो भी बन सकता है, और जीरो भी बन सकता है, क्योंकि फोन पर हर तरह की सामग्री से रूबरू होना पड़ता है । इन सबसे बचने के लिए अपनी डिजिटल

डाइट कंट्रोल करें । अनुशासन में रहकर फोन का प्रयोग करें । अपने सभी पासवर्ड बदलते रहें, तो साइबर क्राइम से बच सकते हैं । प्रभारी साइबर क्राइम थाना द्वारा बताया गया कि फेक न्यूज और साइबर अपराध आज के डिजिटल युग में समाज के लिए गंभीर खतरा बन चुकी हैं। फेक न्यूज समाज में गंभीर खतरों को जन्म देती है, जिससे पुलिस और प्रशासन के लिए कानून–व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। झूठी खबरें सामाजिक अशांति, धार्मिक एवं सांप्रदायिक तनाव का कारण बन सकती हैं, जिससे अराजकता और हिंसा फैलती है। इसके लिए उ0प्र0 पुलिस प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया इन्फलुएंसर और स्कूलध्कॉलेज के छात्रों को जागरुक किया जाएगा तथा उनकी भागीदारी हेतु उनको उ0प्र0 पुलिस के डिजिटल वॉरियरष् कहलाया जाएगा । इन डिजिटल वॉरियर को फेक न्यूज एवं साइबर अपराध की रोकथाम के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की जाएगी। प्रारंभिक प्रशिक्षण के बाद ये युवा समाज में जागरूकता फैलाने, परिवार के सदस्यों और साथियों को शिक्षित करने और श्डिजिटल जिम्मेदारीश की संस्कृति को बढ़ावा देने में सक्षम होंगे।उनके द्वारा बताया गया कि यह उम्र उनके विचारों और सोच को सही दिशा में विकसित करने का सबसे उचित समय होता है। यदि इन्हें फेक न्यूज एवं साइबर क्राइम की पहचान करने और इसके दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया जाए, तो ये न केवल स्वयं को इसके झांसे में आने से बचा सकते हैं, बल्कि अपने माता–पिता, सहपाठियों और पड़ोसियों को भी इसके खतरों के प्रति जागरूक कर सकते हैं।श्उत्तर प्रदेश पुलिस के डिजिटल वॉरियरश के रूप में सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स एवं स्कूल कॉलेज ६ विश्वविद्यालय के छात्रों का यह नेटवर्क जनता को जागरूक और सुरक्षित डिजिटल उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रयासों को सशक्त करेगा।

पुलिस अधीक्षक ने देर रात्रि जनपद के अधिकारी थाना चौकी प्रभारी के साथ गूगल मीट के माध्यम से वर्चुअल मीटिंग की

हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा देर रात्रि जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारी, प्रभारी यातायात, समस्त थाना चौकी प्रभारी आदि के साथ गूगल मीट के माध्यम से वर्चुअल मीटिंग कर अपराध की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । द्वारा मीटिंग के दौरान समस्त थानों पर लम्बित विवेनाओं की समीक्षा करते हुए अभियान चलाकर उनके विधिक निस्तारण करने एवं अभियोगों में वांछितध्करार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा ऑपरेशन शिकंजा अभियान के तहत शातिर अपराधियोंधहिस्ट्रीशीटर अभियुक्तों पर कार्यवाहीधनिगरानी करने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया । साथ ही थाना क्षेत्र के अराजकतत्वों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की जाए । तत्पश्चात जनपद में अपराध नियंत्रण एवं सुरक्षा व्यवस्था, सुदृढ़ यातायात व्यवस्था, दुर्घटनाओं को कैसे कम किया जाए, आगामी मौसम में धुंध को देखते हुए रिफ्लेक्टर अभियान चलाने आदि के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गई । पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त क्षेत्राधिकारीध्थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया कि वाहन चोरी से सम्बन्धित अपराधों की समीक्षा अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में करायी जाए । सभी को निर्देशित किया गया कि थाना क्षेत्र के विभिन्न प्रकार के माफियाओं यथा–खनन, शराब, पशु, वन तथा भूमाफियाओं को गैंगेस्टर एक्टध्6 110जी गुण्डा एक्ट की कार्यवाही तथा गैंगस्टर एक्ट की परिधि में आने वाले अपराधियों को अभियान चलाकर चिन्हित कर उनके विरूद्ध अभियोग पंजीकृत कर कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाये । इसके साथ ही अवगत कराया गया कि गैंगस्टर एक्ट के तहत 14(1) के अन्तर्गत माफियाओं की सम्पत्ति जब्तीकरण की कार्यवाही तथा महिला सम्बन्धी अपराधीध्पोक्सो एक्ट सम्बन्धी प्रकरणो में प्रभारी पैरवी कर अभियुक्तो को जल्द से जल्द सजा कराना शासन की प्राथमिकता है, जिसके लिये सभी क्षेत्राधिकारीगणों को निर्देशित किया गया कि अपने–अपने सर्किल में ऐसे प्रकरणों को चिन्हित कर गैंगस्टर बनाने का टारगेट देकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराये । समस्त थानोंध्शाखाओं मे नियुक्त पुलिस अधिकारी ६ कर्मचारीगण का समय–समय पर स्वास्थ्य विभाग से समन्व्य स्थापित कर स्वास्थ्य परीक्षण कराये जाने हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया । इसी क्रम मे पुलिस अधिकारीध्कर्मचारीगण का रिफ्रेशमेंट कोर्स लगा कर फायरिंग की कार्यवाही कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। सभी थानों पर कर्मचारियों का सम्मेलन कर उनसे संवाद कर समस्याओं का निराकरण कराने का प्रयास किया जाये । जुआध्सट्टाध्अवैध शराब बिक्री पर प्रभावी कार्यवाही करते पूर्णतया रोक लगाए जाने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया। पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा अपराध नियंत्रण एवं घटित घटनाओं के शीघ्र अनावरण हेतु तथा अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु उ0प्र0 के समस्त जनपदों में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाने हेतु ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान ऑपरेशन दृष्टि के अंतर्गत सभी थाना प्रभारियों को निर्दिष्ट किया गया कि सभी अपने–अपने थाना क्षेत्रों के व्यपारियों, प्रतिष्ठित,संभ्रांत व्यक्तियों की मीटिंग कर वार्ता कर ले । अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लग. वाने हेतु आमजन को जागरूक किया जाए तथा लगवाये गये सीसीटीवी कैमरो का शत–प्रतिशत इन्टीग्रेशन एवं ऑपरेशन पहचान के अन्तर्गत बीट बुक में सीसीटीवी कैमरो की फिडिंग कराये जाने हेतु तथा अभियुक्तों के सत्यापन कराने हेतु समस्त थाना प्रभारियो को निर्देशित किया गया । पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में चलाये जा रहे अभियान आपरेशन जागृति, मिशन शक्तिध्शक्ति दीदी, ऑपरेशन कन्विक्शन, आपरेशन दृष्टि, आपरेशन पहचान, आपरेशन त्रिनेत्र आदि अभियानों एवं शासन, मुख्यालय आदि स्तर से चलाये जा रहे पोर्टल सीसीटीएनएस, पब्लिक ग्रीवान्स पोर्टल, यूपी कोप एप, इट्सको पोर्टल, सीईआ. ईआर आदि की समीक्षा कर सभी सम्बन्धितों को आवश्यक कार्यवाहियों को समय से पूर्ण करने हेतु निर्दिष्ट किया गया तत्पश्चात द्वारा लंबित अभियोगो में गिरफ्तार हेतु शेष वांछित अभियुक्तो व पुरुष्कार घोषित अभियुक्तो की शीघ्र गिरफ्तारी करने के संबन्ध में निर्देशित किया गया । आपरेशन कन्विक्शन अभियोन के तहत चिन्हित अभियोग, महिला सम्बन्धी अपराध व हत्या लूट जैसे गम्भीर अपराधों में शीध्रता से विचारण की कार्यवाही पूर्ण करते हुये, ज्यादा से ज्यादा अभियुक्तो को सजा कराने हेतु व गलत जमानत पर अपील कर जमानत पर विरोध कराये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थानों पर माल निस्तारण के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए बताया कि थानों पर एकत्रित मालों का जल्द से जल्द विधिपूर्वक निस्तारण कराया जाये । तथा अवगत कराया कि मालखाने में रखे माल पर सुस्पष्ट अपराध संख्याध्माल का विवरण लिखा जाये । छठॅध्सम्मन तामील, आई0जी0आर0एस0 पोर्टल की शिकायतों व अन्य शिकायती प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया बताया गया कि साक्ष्यों को डिजिटल तरीके से संग्रह के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की ओर से ई–साक्ष्य ऐप्लीकेशन तैयार किया गया है, निरंतर ई साक्ष्य का उपयोग किया जाए । साइबर अपराधो के सम्बन्ध मे समीक्षा की गयी तथा साइबर अपराधों से सम्बन्धित अभियोगो को समयबद्ध निस्. तारण कराया जाने हेतु निर्देशित किया गया । इसके साथ ही द्वारा बताया गया कि साइबर अपराधों के सम्बन्ध मे आमजन को जागरुक करने हेतु सभी थाना प्रभारी अपने–अपने थाना क्षेत्र मे जागरुकता कार्यशाला का आयोजन करायेगे ।

ईदगाह रोड पर 13 दिसंबर को समाजसेवी बाबर सिद्दीकी के द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया गया

सिकंदराराऊ 18 दिसंबर। नगर के ईदगाह रोड स्थित पर परंपरागत रूप से लग रही हिंदू मुस्लिम एकता प्रदर्शनी सांस्कृतिक आज ग्रामीण महिला व पुरुष अपने परिवार के साथ भारी मात्रा में पहुंच गए। प्रदर्शनी को देखकर लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई और जमकर पुलिस प्रशासन की तारीफ की। ठेकेदार अलीगढ़ तनु वार्ष्णेय ने बताया है कि प्रदर्शनी में अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह के निर्देशन पर 30 से अधिक सीसीटीवी कैमरे तथा लाइट लोगों के लिए बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए हैं। आपको बता दें कि ईदगाह रोड पर 13 दिसंबर को समाजसेवी बाबर सिद्दीकी के द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया गया था। हिंदू मुस्लिम एकता सांस्कृतिक प्रदर्शनी का एसडीएम धर्मेन्द्र सिंह चौहान सीओ श्यामवीर तथा कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार राठी के साथ लगातार लोगों की सुरक्षा को देखते हुए निरीक्षण किया जा रहा है।

प्रदर्शनी में मौजूद पुलिस चौकी पर नजर आए पुलिस के जवान और फायरब्रिगेड अधिकारियों को भी तैनात किया गया है। जिससे किसी भी प्रकार जन हानि न हो पाये इस पर बहुत ही ठोस कदम उठाये गये है। और सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए फायरबिग्रेड गाड़ी के साथ फायरबिग्रेड कर्मचारियों एवं अधिकारियों की लगातार निगरानी बनी हुई है, नगर की जनता को इस साल में लगने वाली हिंदू मुस्लिम एकता सांस्कृतिक प्रदर्शनी का मनोरंजन के लिए एक ही आयोजन है जो अपने परिवार के साथ देखने जाते हैं। सिकन्दराराऊ नगर से लेकर ग्रामीण अंचल तक लोगों में हिंदू मुस्लिम एकता सांस्कृतिक प्रदर्शनी को लेकर लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। कस्बा इंच. ार्ज मनु यादव का कहना है कि प्रदर्शनी में किसी ने भी माहौल खराब करने की कोशिश की उसके उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी वही प्रदर्शनी में रात्रि को पुलिस बल के साथ पैदल ग्रस्त सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जाएगा।

हाथरस के किला प्रांगण में सूफी संत शमसुद्दीन बाबा काले खां का वार्षिक उर्स बड़ी धूमधाम से मनाया

हाथरस के किला प्रांगण में सूफी संत शमसुद्दीन बाबा काले खां का वार्षिक उर्स बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मध्यरात्रि तक चले इस आयोजन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण अलीगढ़ से आए फरीद साबरी की कव्वाली रही, जिन्होंने अपनी प्रस्तुति से समां बांध दिया। कव्वाली कार्यक्रम का उद्घाटन ऑल इंडिया अब्बासी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व सभासद रईस अहमद अब्बासी ने किया। बाबा काले खां की मजार पर आयोजित इस कार्यक्रम में काफी तादाद में लोगों ने हिस्सा लिया। कव्वाली गायकों की प्रस्तुतियों को दर्शकों ने भरपूर तालियों से सराहा।परंपरा के अनुसार उर्स में लंगर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रिजवान ठेकेदार, आस मोहम्मद, असलम, गुड्डन, बंटी शर्मा, साबिर हुसैन, बाबुद्दीन अब्बासी, मंजूर अहमद अब्बासी, शाहरुख सभासद, सिराज खान, गुलाब खान समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मध्यरात्रि तक चले इस कार्यक्रम में लोगों का तांता लगा रहा।

हसायन कोतवाली क्षेत्र में मथुरा–बरेली नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में 55 वर्षीय मजदूर की जान चली गई

हाथरस के हसायन कोतवाली क्षेत्र में मथुरा–बरेली नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में 55 वर्षीय मजदूर की जान चली गई। मृतक की पहचान नगला गोविंद नौजलपुर निवासी पूरन पुत्र देवीराम के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब पूरन मजदूरी से लौटकर अपने गांव जा रहे थे। गांव के लिंक मार्ग पर पहुंचते ही एक अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद आरोपी चालक वाहन समेत फरार हो गया।पुलिस को दी घटना की जानकारी.घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक अपने परिवार का भरण–पोषण मजदूरी करके करते थे। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है और परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार वाहन चालक की तलाश जारी है। मृतक ने अपने पीछे तीन संतानों को बिलखते छोड़ा है।

हाथरस में 20 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली

हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र के गांव अवरनपुर की है। मृतक की पहचान मकबूल के रूप में हुई है, जो मोहम्मद सफी का पुत्र था और बेलदारी का काम करता था।परि. जनों के अनुसार, मकबूल शराब पीने का आदी था, जिसके कारण घर में अक्सर विवाद होता रहता था। इसी को लेकर उसने घर के अंदर ही फांसी लगा ली। जब परिवार के सदस्यों ने मकबूल को फांसी के फंदे पर लटका देखा, तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच–पड़ताल की और शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।पिता बोले– किसी से नहीं था विवाद मृतक के पिता मोहम्मद शफी का कहना है कि उनके अविवाहित बेटे का किसी से कोई विवाद नहीं था लेकिन वह शराब पीने का आदी था। इस घटना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया।

कासगंज :अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पटियाली थाना क्षेत्र के गांव थाना दरियावगंज झील के समीप बाइक सवार में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बाइक सवार युवक की मौत से परिजनों में कोहराम है।सड़क हादसे में मौत का शिकार 35 वर्षीय विजेंद्र यादव पुत्र श्याम सिंह निवासी ग्राम रायपुर मोथर हुआ। वह गुरुवार की शाम लगभग 6रू30 बजे पटियाली से अपने गांव वापस आ रहा था। थाना दरियागंज झील के समीप पहुंचने पर उसकी बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह बाइक से गिर गया और गंभीर घायल हो गया। राहगीर और आस–पास के ग्रामीण एकत्रित हो गए। लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस सड़क हादसे की जानकारी होने पर मौके पर पहुंच गई। उसे पटियाली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी मौत की सूचना जब परिजनों को हुई तो वह भी मौके पर पहुंच गए। उसका शव देकर परिजनों में कोहराम मच गया। पटियाली थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक के परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। अज्ञात वाहन की तलाश जारी है।चार बच्चों के सिर से उठा पिता का साया मृतक के चाचा हेम सिंह ने बताया सड़क हादसे में मृतक विजेंद्र के चार बच्चे हैं। विकास उम्र 14 वर्ष, प्रियंका उम्र 12 वर्ष, प्रकाश उम्र 10 वर्ष, संध्या उम्र 6 वर्ष हैं। उसकी मौत से बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। उसकी पत्नी रीना और मां गुड्डू देवी का रो–रो कर बुरा हाल है।

किसान सम्मेलन का आयोजन

कासगंजः ग्राम गुरेहना में एक किसान गोष्ठी आयोजन किया गया जिसमें एग्रीटेक लिमिटेड कंपनी के रिजनल सर्विस इंचार्ज उदल सिंह ने किसानों को जैविक खेती करने की सलाह दी तथा कंपनी के उत्पाद विजया सी एम एस सूक्ष्म पोषक तत्व डालने की सलाह दी क्योंकि भूमि में द्वितीयक व सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होती जा रही है और भूमि अम्लीय व क्षारीय में परिवर्तीत होती जा रही है इसके बाद में कृषि अधिकारी रामनिश कुमार जी ने बर्मी कंपोस्ट डालने की सलाह दी तथा इसकी कमी से दिन पे दिन कार्बन की मात्रा कम होती जा रही है तथा लाभदायक जीवाणुओं की संख्या प्रतिदिन घटती जा रही है इसके बाद किसानों को जहर मुक्त खेती करने की सलाह दी क्योंकि हर मनुष्य के लिये ष्हली काया निरोगी काया रहने की सलाह दी किसान गोष्ठी में चांद मियां ,जुम्मन खां, सुरेश चंद्र ,अहमद खां मिलाल तथा अभिमन्यु आदि किसान उपस्थित रहे।

एटा में वृद्ध महिला को सरकारी रिकॉर्ड में मृत दिखाकर उसकी पेंशन रोक दी गई

एटा में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक जीवित वृद्ध महिला को सरकारी रिकॉर्ड में मृत दिखाकर उसकी पेंशन रोक दी गई। शीतलपुर विकास खंड के मिलाबली गांव की 65 वर्षीय मुन्नी देवी ने जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह से मिलकर न्याय की गुहार लगाई।मुन्नी देवी को वर्ष 2022 तक नियमित रूप से वृद्धावस्था पेंशन मिलती रही। लेकिन 2024 में ऑनलाइन सत्यापन के दौरान ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों ने बिना वास्तविक जांच के उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस लाप. रवाही के कारण उनकी पेंशन बंद हो गई।पेंशन रुकने के बाद महिला ने विकास खंड के अधिकारियों से संपर्क किया। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। महीनों तक चक्कर काटने के बाद उन्होंने जिलाधिकारी का दरवाजा खटखटाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल खंड विकास अधिकारी शीतलपुर को जांच के आदेश दिए।स्थलीय जांच में मुन्नी देवी को जीवित पाया गया है। यह घटना दर्शाती है कि किस प्रकार अधिकारी बिना उचित जांच–पड़ताल के मौखिक आधार पर रिपोर्ट तैयार कर देते हैं। जिससे आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।पेंशन सुचारू रूप से जारी करने का निर्देश जिला समाज कल्याण अधिकारी ने वरिष्ठ सहायक सुनील कुमार वरिष्ठ सहायक जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय बरेली को गलत आख्या ऑनलाइन अपडेट करने के संबंध में दो कार्य दिवस के अंदर अपना स्पष्टीकरण सौंपने का नोटिस दिया गया है।तत्काल जिला समाज कल्याण अधिकारी एटा ने निदेशक समाज कल्याण लखनऊ को एक पत्र जारी करते हुए पुनः बुजुर्ग मुन्नी देवी की पेंशन सुचारू रूप से जारी करने के लिए पत्राचार किया है।

एटा जिले के अवागढ़ थाना क्षेत्र में बीएसएफ जवान के अंतिम संस्कार को लेकर गंभीर विवाद

एटा जिले के अवागढ़ थाना क्षेत्र में बीएसएफ जवान के अंतिम संस्कार को लेकर गंभीर विवाद सामने आया है। नगला केसरी गांव निवासी बीएसएफ जवान रमेश के परिजनों और प्रशासन के बीच शहीद स्मारक की भूमि को लेकर तनाव उत्पन्न हो गया।परिजनों का आरोप है कि जलेसर के एसडीएम ने न केवल अंतिम संस्कार में शामिल होकर श्रद्धांजलि देने से इनकार किया, बल्कि शहीद परिवार का अपमान भी किया। हालांकि गुरुवार को जवान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार संपन्न हो गया, लेकिन शहीद स्मारक के लिए भूमि आवंटन का मुद्दा अब गंभीर रूप ले चुका है।मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ने कार्रवाई करते हुए लेखपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। स्थानीय प्रशासन अब इस विवाद को सुलझाने में जुटा है, ताकि शहीद परिवार को उचित सम्मान के साथ–साथ स्मारक के लिए भूमि भी आवंटित की जा सके।शहीद स्मारक भूमि आवंटन को लेकर विवादजवान के शव का अंतिम संस्कार गुरुवार को राजकीय सम्मान के साथ किया गया, लेकिन शहीद स्मारक भूमि आवंटन के मुद्दे ने इस प्रक्रिया को विवादित बना दिया। जवान के परिवार ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि अधिकारियों ने भूमि आवंटन में गड़बड़ी की, जिसके कारणअंतिम संस्कार के दौरान परिजनों और प्रशासन के बीच तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हुई। शहीद स्मारक की भूमि को लेकर घंटों चली नोंकझोंक के बाद, प्रशासन ने विवाद को सुलझाने के प्रयास किए, लेकिन इस दौरान तनाव की स्थिति बनी रही।

लेखपाल के खिलाफ निलंबन की कार. ंवाई इसी बीच, उपजिलाधिकारी भावना विमल ने मामले में संलिप्त लेखपाल कौशलेंद्र को निलंबित कर दिया। लेखपाल पर आरोप था कि उन्हें जवान के दाह संस्कार की सूचना पहले से मिल चुकी थी, फिर भी उन्होंने अधिकारियों को जानकारी गुरुवार को प्रातः दी। इसके अलावा, लेखपाल पर यह आरोप भी था कि उसने बिना अधिकारियों को सूचितकिए अन्य स्थान पर भूमि का चिन्हांकन कर दिया, जिसके कारण अंतिम संस्कार में देरी हुई और ग्रामीणों तथा परिजनों का विरोध बढ़ गया।शहीद जवान के अंतिम संस्कार के दौरान प्रशासन की लापरवाही को लेकर परिजन गुस्से में आ गए और सड़क पर ट्रैक्टर लगाकर जाम लगा दिया। प्रशासन के बाद लगातार मान–मनौव्वल और आश्वासन देने के बाद परिजन माने, तब जाकर जवान का अंतिम संस्कार किया जा सका। इस घटना ने क्षेत्रीय प्रशासन के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं और निलंबन के बाद भी विवाद थमता हुआ नजर नहीं आ रहा है। हालांकि, उपजिलाधिकारी ने मृत जवान के परिवार को पंद्रह कार्य दिवस के दौरान शहीद स्मारक के लिए भूमि आवंटित करने का लिखित भरोसा दिया है। इस मामले को लेकर प्रशासन की ओर से आगे की कार्रवाई जारी है। मणिपुर में तैनात 54 वर्षीय बी एस एफ जवान रमेश चंद्र का कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया था। गुरुवार को उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव नगला केसरी पहुंचा, जहां हजारों की संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए उमड़े थे। उनके अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के दौरान प्रशासन और परिजनों के बीच भूमि आवंटन को लेकर विवाद बढ़ने के बाद अंततः मामला सुलझा और जवान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

कासगंज जिले में स्वामित्व योजना के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शनिवार को जिला मुख्यालय के सभागार में 20 हजार ग्रामीणों को घरौनियों का वितरण किया

कासगंज जिले में स्वामित्व योजना के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शनिवार को जिला मुख्यालय के सभागार में 20 हजार ग्रामीणों को घरौनियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मेधा रुपम और भाजपा सदर विधायक देवेंद्र राजपूत ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री का संबोधन भी लाइव प्रसारण के माध्यम से दिखाया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष केपी सिंह सोलंकी भी उपस्थित रहे। विधायक देवेंद्र राजपूत ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि घरौनी वितरण से ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन विवादों में कमी आएगी।

एटा जिले में आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में ग्रेजुएशन की परीक्षा देने जा रहे चार छात्र घायल

एटा जिले में आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में ग्रेजुएशन की परीक्षा देने जा रहे चार छात्र घायल हो गए। कोतवाली नगर क्षेत्र के आगरा रोड पर नगला समन के पास एक अज्ञात कार ने बाइक सवार छात्रों को टक्कर मार दी।घटना में 18 वर्षीय अभिषेक (पुत्र दिनेश), प्रिंस (पुत्र रामनरेश), 18 वर्षीय प्रशांत (पुत्र शैलेन्द्र) और 17 वर्षीय गुलशन (पुत्र राकेश) घायल हुए। राहगीरों की मदद से सभी घायलों को तत्काल वीरांगना मेडिकल कॉलेज, एटा पहुंचाया गया।छात्र रामश्री महाविद्यालय में ग्रेजुएशन की परीक्षा देने जा रहे थेचिकित्सकों के अनुसार, एक छात्र की स्थिति गंभीर है और उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है, जबकि अन्य तीन छात्रों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। सभी छात्र एटा स्थित रामश्री महाविद्यालय में ग्रेजुएशन की परीक्षा देने जा रहे थे।कोतवाली देहात थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर लिया है। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार वाहन चालक की तलाश जारी है।

एटा, राजकीय जिला कृषि एवं औद्योगिक प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के संयोजन में भव्य शिक्षा संगोष्ठी और शिक्षक सम्मेलन आयोजित किया गया

एटा, राजकीय जिला कृषि एवं औद्योगिक प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेशीय प्राथ. मिक शिक्षक संघ के संयोजन में भव्य शिक्षा संगोष्ठी और शिक्षक सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें जनपद भर के करीब 2000 शिक्षक–शिक्षिक. ाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि स्नातक एमएलसी डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह ने विधिवत फीता काटकर किया। इसके बाद सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक सूरजपाल वर्मा ने की और संचालन डॉ. रविकांत यादव व डॉ. ओमेंद्र प्रताप सिंह ने किया। एसआरजी विपिन शाक्य ने बेसिक शिक्षा की प्रगति पर पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी। मंच पर पुष्पेंद्र सिंह लोधी, रवि वर्मा, मनोज सागर, ममतेश शाक्य, और मेधावृत शास्त्री सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।संगोष्ठी में शिक्षा उन्नयन और आधुनिक शिक्षा में शिक्षक की भूमिका पर व्यापक चर्चा हुई। मुख्य अतिथि डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह ने विद्यालयों के कायाकल्प और बेहतर सुविधाओं पर जोर दिया। राष्ट्रपति और राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षकों, सेवानिवृत्त शिक्षकों, और अन्य शिक्षकों को मंच पर माला पहनाकर और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कंपोजिट विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने सरस्वती वंदना, योग, स्वागत गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जिला बेसिक शिक्षा की क्रिकेट टीम को प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता बनने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अंत में जिलाध्यक्ष प्रवीन कुमार फौजी और जिला मंत्री वीरपाल सिंह जाटव ने शिक्षक संगठनों, सभी शिक्षक–शिक्षिकाओं, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों और पत्रकारों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन जनपद में शिक्षा के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम में 2000 से अधिक शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति से इसे ऐतिहासिक बना दिया।

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -

अमित कुमार वर्मा -संम्पादक

मो:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट हिन्दी साप्ताहिक

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित

सम्पादक-अमित कुमार वर्मा

सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा

सर्दियों में क्या आप भी खाते हैं भिगोए हुए मुनक्के?

मुनक्का जिसे भारतीय करौदा या सूखे किशमिश के नाम से भी जाना जाता है. सर्दियों का एक बेहतरीन सुपरफूड है. यह छोटा झुर्रीदार फल स्वास्थ्य के प्रति उत्साही लोगों और दादी–नानी दोनों के बीच पसंदीदा है. ठंड के महीनों में मुनक्का को मीठे जैम या कुरकुरे नाश्ते के रूप में कई रूपों में खाया जाता है. कुछ संस्कृतियों में मुनक्का को पौष्टिक नाश्ते के पेय के रूप में रात भर पानी या दूध में भिगोया जाता है. जबकि अन्य लोग इसके अनूठे स्वाद का आनंद लेते हुए सूखे मुनक्का को चबाना पसंद करते हैं. आवश्यक पोषक तत्वों और फाइबर से भरपूर, यह सर्दियों का एक स्वादिष्ट व्यंजन है जिसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना आसान है. सर्दियों में मुनक्का खाने के कुछ बेहतरीन स्वास्थ्य लाभ इस प्रकार हैं.भिगोए हुए मुनक्के बहुत स्वादिष्ट होते है. लेकिन इनको सही मात्रा में खाना जरूर होता है. अधिक मात्रा में भिगोए हुए मुनक्के खाने से स्वास्थ्य संबधित समस्याएं हो सकती हैं. एक बार में 5 या 6 से ज्यादा मुनक्का नहीं खाना चाहिए.वहीं 5 साल से ऊपर बच्चों को बात करें तो 4 या 5 से ज्यादा मुनक्का नहीं खाना चाहिए. रा.`जाना आप इन मात्रा में खाते हैं तो कोई समस्या नहीं होगा. आइए जानते हैं मुनक्के खाने के फायदे...ब्लड प्रेशर रहेगा कंट्रोलमुनक्के में पोटेशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम जैसे कई मिनरल्स पाए जाते हैं जो रक्तचाप को स्थिर रखने में मदद करते हैं. इसके अलावा भिगे हुए मुनक्के में फाइबर भी होता है जो हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को कम करने में लाभदायक है. भिगे हुए मुनक्कों का अधिक मात्रा में सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि इनमें सोडियम की मात्रा अधिक होती है जो ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है.संतुलित मात्रा में भिगे हुए मुनक्के खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है. खून की कमी को करता है दूर मुनक्के में आयरन, फोलिक एसिड, कॉपर और विटामिन ठ12 जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में खून को बढ़ाने में मदद करते हैं. इसलिए मुनक्का खाने से शरीर में खून की कमी या एनीमिया

जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है. मुनक्के को रातभर पानी में भिगोने से इसमें मौजूद लोहे और फोलिक एसिड जैसे पोषक तत्व और अधिक बढ़ जाते हैं. इसलिए रोजाना भिगे हुए मुनक्के खाने से हमारे शरीर में खून की कमी की समस्या नहीं होती.भिगे हुए मुनक्के पेट को करता है साफ मुनक्के में उच्च मात्रा में फाइबर होता है, जो पेट की सफाई में सहायक होता है. यह कब्ज की समस्या को दूर करता है और पाचन तंत्र को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है. इसके अलावा, मुनक्के में पानी अवशोषित करने की क्षमता होती है जिससे पेट में जमा हुई गंदगी और विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं.भिगे हुए मुनक्के खाने से पेट साफ रहता है और हमें कब्ज, एसिडिटी जैसी समस्याओं से आराम मिलता है.

8 स्टेप्स आजमा लिए तो रातभर आएगी चौन की नींद, इस स्टडी में हुआ खुलासा

जब कोई व्यक्ति सो नहीं पाता है तो वह नींद लाने वाली दवाएं लेता है. हालांकि, सोने से पहले स्क्रीन से दूर रहना, पढ़ना, हल्के एक्सरसाइज करना या माइंडफुलनेस की प्रैक्टिस करना एक नैचुरल टेक्निक है. जिससे आपको काफी हद तक मदद मिल सकती है. नींद न आने की समस्या काफी चिंताजनक हो सकती है. फिर धीरे–धीरे यह खतरनाक रूप ले लेती है. अलग–अलग लोगों के लिए अलग–अलग चीजें काम करती हैं इसलिए यह जानने के लिए कुछ समय निकालें कि कौन सी चीज काम करती है. इस पर विचार करें. एक सही नींद के लिए इन 8 स्टेप्स को जरूर फॉलो करेंरूटीन जरूर बनाएंरू हर व्यक्ति को अपने पूरे दिन की रूटीन जरूर बनाना चाहिए. यानी हर दिन एक ही समय पर सोएं और उठें. हर काम करने की अपनी परफेक्ट टाइमिंग रखें. सोने से पहले स्क्रीन से बचेंरू सोने से कुछ घंटे पहले फोन या टैबलेट जैसी नीली रोशनी वाली स्क्रीन का इस्तेमाल करने से बचें. क्योंकि यह आपकी नींद को डिस्टर्ब करने के लिए काउी है. साथ ही साथ यह आपकी रूटीन को बिगाड़ सकती है. हेवी खाना या लेट नाइट ड्रिंक करने से बचेंरू सोने के समय से पहले हेवी खाना, शराब, कैफीन और तम्बाकू खाने से बचें. यह आपके स्वास्थ्य के हिसाब से काफी ज्यादा नुकसानदायक है. सोने से पहले आराम करेंरू नहाने, किताब पढ़ने या संगीत सुनने की कोशिश करें.अपने बेडरूम को आरामदायक बनाएंरू इस बात का खास ख्याल रखें कि आपका बिस्तर आरामदायक और सहारा देने वाला हो. और आपका कमरा अंधेरा और शांत हो.

सुबह खाली पेट अमरूद खाना फायदेमंद है या नुकसानदायक

कुछ लोगों को सुबह खाली पेट फल खाना पसंद होता है. हालांकि, जरूरी नहीं कि सभी फल खाली पेट ही फायदेमंद हों. जानिए क्या आपको सुबह खाली पेट अमरूद खाना चाहिए या नहीं?सुबह उठने के बाद कुछ हेल्दी खाने की सलाह दी जाती है. ताकि आपको दिनभर एनर्जी मिलती रहे. हालांकि, आप सुबह क्या खाते हैं? यह आपकी सेहत के लिए बहुत मायने रखता है. कुछ लोग सुबह उठने के बाद खाली पेट जूस पीते हैं. तो कुछ लोग सुबह फल खाना शुरू कर देते हैं.इन दिनों अमरूद का मौसम है, आपको दिनभर में 1–2 अमरूद खाने चाहिए. अमरूद में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है. कहा जाता है कि मौसमी अमरूद सेब से भी ज्यादा पौष्टिक होता है. अमरूद पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करता है.अमरूद खाने से वजन कम होता है. अमरूद में मौजूद विटामिन और पोषक तत्व अमरूद में विटामिन सी, विटामिन बी6, विटामिन ए, मैग्नीशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फॉस्फोरस, कैल्शियम और आयरन पाया जाता है. अमरूद में डाइटरी फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जिसमें पोटै. शियम की अच्छी मात्रा होती है.इन पोषक तत्वों से भरपूर अमरूद खाने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं. क्या सुबह खाली पेट अमरूद खा सकते हैं या नहीं? वैसे अमरूद खाने का सही समय नाश्ते के बाद और दोपहर के खाने से पहले है. अगर आप सुबह फल खाते हैं, तो उसमें अमरूद को शामिल कर सकते हैं.हालांकि, कुछ लोगों को सुबह खाली पेट अमरूद खाने से पेट दर्द की समस्या हो सकती है क्योंकि अमरूद के बीज पचने में काफी समय लेते हैं. अगर आपको सर्दी–जुकाम है तो सुबह खाली पेट अमरूद खाने से बचें.रात में अमरूद का सेवन नहीं करना चाहिए. रात में ठंडे फल खाने से सर्दी–जुकाम और खांसी हो सकती है.अमरूद खाने से वजन घटाने में मदद मिलती है. आप इसे अपने वजन घटाने वाले आहार में शामिल कर सकते हैं.अमरूद खाने से पुरानी कब्ज भी ठीक हो सकती है. जिन लोगों को पेट में जलन होती है वे अमरूद खा सकते हैं. अमरूद खाने से पाचन क्रिया दुरुस्त होती है. यह पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है.

सर्दियों में जरूर खाए आंवला ,इस साइलेंट बीमारी से मिल जाएगा छुटकारा

आयुर्वेद के मुताबिक आंवला एक सुप. रफूड है. इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं जो ओवर ऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है. अगर आप आंवले को नैचुरल तरीके से या इसमें नैचुरल चीजें मिलाकर आंवला कैंडी बनाकर खाते हैं. इसके कई सारे हेल्थ बेनिफिट्स मिलेंगे. जिसे कई गुना सेहत को फायदे मिल सकते है. रोजाना सुबह खाली पेट आंवला का जूस या आंवला पीने से आपको इसका खुद पॉजिटिव असर शरीर पर दिखाई देगा. आंवला एक सुपरफूड है जो गुणों से भरपूर है. आपको वजन घटाने से लेकर इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए आंवला का सेवन करना चाहिए. अगर आप खाली पेट आंवला खाते हैं तो इससे शरीर को कई फायदे मिलते हैं. आंवले में भरपूर विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम, फ्लैवोनोइड्स और ऐन्थो साइनिन जैसे पोषक तत्व होते हैं. आंवला खाने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है. बाल और आंखों के लिए भी आंवला बहुत ही फायदेमंद है. कच्चा आंवला बहुत फायदे करता है. इससे कब्ज की समस्या दूर होती है. आप आंवला को इन 5 तरीकों से अपनी डाइट में शामिव कर सकते हैं. 1– आंवला पाउडर– आप चाहें तो आंवला का सेवन पाउडर के रूप में कर सकते हैं. मार्केट में आसानी से आपको आंवला पाउडर मिल जाता है. आप आंवला को सुखाकर घर में भी पाउडर बना सकते हैं. 1 चम्मच आंवला पाउडर को आप गुनगुने पानी से ले सकते हैं. आप चाहें तो आंवला में शहद मिलाकर भी खा सकते हैं. 2– आंवला जूस– आंवला का सेवन करने का दूसरा आसान तरीका है आंवला जूस. मार्केट में कई कंपनियों के आंवला जूस मिलते हैं आप इसे पानी में डालकर आसानी से पी सकते हैं. सुबह शाम आंवला एक ढक्कन आंवला का जूस पी सकते हैं. इससे आपको बहुत फायदे मिलेंगे.3– आंवला का मुरब्बा– आप आंवला का मुरब्बा भी खा सकते हैं. गर्मियों में आवला का मुरब्बा खाने से पेट को ठंडक मिलती है. आप चाहें तो माक.ेट से खरीदकर मुरब्बा खा सकते हैं या फिर घर में भी बना सकते हैं.
4– आंवला कैंडी– आंवला खाने का एक और अच्छा तरीका है आवंला कैंडी. माक.ेट में आपको सूखे आंवला की कैंडी मिल जाएंगी. आप इन्हें कभी भी कहीं भी खा सकते हैं. बच्चों को भी ये आंवला कैंडी काफी पसंद आती हैं. 5– आंवला की चटनी– ताजा आंवला खाने के लिए आप चटनी का इस्तेमाल करें. कुछ लोगों को आंवला की चटनी बहुत पसंद आती है. हल्की खट्टी चटनी खाने के स्वाद को बढ़ा देती है. आप अपनी डाइट में किसी भी तरह आंवला जरूर शामिल करें.

कम उम्र की महिलाओं में बढ़ रहा कैंसर का खतरा, स्टडी में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

अमेरिकन कैंसर सोसायटीश की कैंसर को लेकर जो नई रिपोर्ट आई है वह काफी ज्यादा चिंताजनक है. इस रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि एक तरफ जहां कैंसर से होने वाली मौतों कि संख्या कम हुई है. लेकिन कैंसर से पीड़ित कम उम्र कि महिलाओं और युवा व्यस्कों की संख्या में काफी ज्यादा इजाफा हुआ है. ।ब्ंदबमत श्रवनतदंस वित ब्सपदपबपंदे में पब्लिश यर्ली रिपोर्ट में खुलासा किया गया है ति संयुक्त राज्य अमेरिका में 1991 से 2022 तक के कैंसर मृत्यु दर में 34ः की गिरावट आई है.हालांकि, पहले से पता लगाने और बेहतर इलाज जैसे कारकों के कारण कुल मिलाकर कैंसर से होने वाली मौतों में कमी आई है. लेकिन यह बात सभी तरह के कैंसर के लिए बोलना सही नहीं है. रिपोर्ट में पाया गया कि माउथ, पैंक्रियाटिक, ओवरेयिन और लिवर कैंसर सहित कुछ खास तरह के कैंसरों में मृत्यु दर लगातार बढ़ी है. क्या है इसके पीछे का कारणरिसर्च में साफ कहा गया है कि 50 साल से कम उम्र वाली महिलाओं में कैंसर की दर उनके उम्र वाली पुरुषों की तुलना में बहुत अधिक बढ़ गई है. और अब यह दर पुरुषों में देखी गई दरों से 82ः अधिक है. जो 2002 में 51ः थी. इसके पीछे का कारण यह हो सकता है कि

आजकल कम उम्र में ही महिलाओं को ब्रेस्ट और थायरॉयड कैंसर हो रहे हैं. साथ ही इसके पीछे का प्रमुख कारण डॉक्टर खराब लाइफस्टाइल, खानपान, स्ट्रेस बताते हैं. 50 साल से कम उम्र के पुरुषों में मेलेनोमा, नॉन–हॉजकिन लिंफोमा और प्रोस्टेट जैसे सामान्य कैंसर की दर कम हो रही है. मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर (डैझ) के शोधकर्ताओं ने फेफड़ों के कैंसर के माउस मॉडल का इस्तेमाल करके किए एक नया रिसर्च किया. जिसमें इस बात का खुलासा किया गया है कि कैंसर का जोखिम असल में बूढ़ापे में कम हो जाता है. डॉ. जुएकियान झुआंग ने विस्तार से बताया कि कैसे कई दूसरे कैंसरों की तरह फेफड़े के कैंसर का भी आमतौर पर 70 साल की उम्र के आसपास इलाज किया जाता है. फिर भी, 80 या 85 साल की उम्र तक इसके होने की संभावना कम हो जाती है.बढती उम्र में कैंसर होने का खतरा कम होता हैहमारा यह रिसर्च यह दिखाने में मदद करता है
कि ऐसा क्यों होता है? उम्र बढ़ने के साथ कोशिकाएं नए सेल्स बनाने की क्षमता खो देती हैं और इसलिए कैंसर में होने वाली बेतहाशा वृद्धि में कमी आती है. टीम ने यह समझने की कोशिश की कि क्यों कैंसर की दरें बुढ़ापे की शुरुआत में चरम पर होती हैं और फिर कम हो जाती हैं. उन्होंने फेफड़े के एडेनोकार्सिनोमा के आनुवंशिक रूप से संशोधित माउस मॉडल का इस्तेमाल किया. जो एक आम फेफड़े का कैंसर है जो वैश्विक कैंसर से होने वाली मौतों में से लगभग 7ः के लिए जिम्मेदार है.मॉडल में उम्र बढ़ने का अध्ययन चुनौतीपूर्ण है क्योंकि चूहों को मनुष्यों के बीच 65 से 70 साल की उम्र के बराबर उम्र तक पहुंचने में दो साल लगते हैं. प्रक्रिया समय लेने वाली और बहुत सारे संसाधनों की आवश्यकता होने के बावजूद शोधकर्ताओं ने इसे सार्थक पाया.

कितना गहरा घाव रीढ़ की हड्डी को पहुंचा सकता है नुकसान, डॉक्टर से जानें कैसे बचे सैफ?

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान (ैंपि ।सप ड्डींद) को गुरुवार को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है. क्योंकि उनके बांद्रा स्थित घर में तड़के एक शख्स जोकि चोरी से इरादे से घर में घुसा था. उसने उन पर हमला कर दिया था. जिसके कारण एक्टर को 6 जगह चोट आई है लेकिन 2 जगह यानी रीढ़ की हड्डी और गर्दन पर गंभीर चोट लगी थी. लीलावती अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक एक्टर की रीढ़ की हड्डी के पास में चाकू से वार किया गया था. जिसमें 2.5 इंच चाकू टूटकर अंदर चला गया था. यह चोट काफी ज्यादा गंभीर था क्योंकि इससे पूरे शरीर में इंफे. क्शन का खतरा हो सकता था. सैफ की हेल्थ अपडेट को लेकर डॉक्टर ने क्या कहा?इसी कारण हॉस्पिटल पहुंचते ही डॉक्टर ने एक्टर की सर्जरी और प्लास्टिक सर्जरी की. इसके अलावा उनके गर्दन पर भी चाकू से वार किया गया था. सर्जरी के बाद खान को (आईसीयू) में ऑब्जरवेशन के लिए रखा गया है. सैफ अली खान को लगी चोट को लेकर डॉक्टर का कहना है कि चाकू की चोट के कारण रीढ़ की हड्डी से फ्लूइड निकलने लगा था जिसके कारण तुरंत सर्जरी के जरिए उसे ठीक कर दिया गया. क्योंकि अगर ये होता रहता तो एक्टर के लिए यह काफी ज्यादा खत. रनाक हो सकता था.सैफ की सर्जरी करने वाले डॉक्टर नितिन डांगे के मुताबिक यह लीक खतरनाक है क्योंकि इससे रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क दोनों में संक्रमण फैलने का खतरा होता है. जिसे मेनिन्जाइटिस के रूप में जाना जाता है. जो जानलेवा हो सकता है. मेनिन्जाइटिस के अलावा ैथ्थ् लीक से एराक्नोइडाइटिस भी हो सकता है. जिससे सिरदर्द, दौरे और कुछ मामलों में लकवा हो सकता है.